प्राणी → यहा वनस्पाती के साथ ही प्राणियों मे भी अत्याधिक विविधता पाई जाती है। प्राणी सम्पदा की दृष्टि से ये विश्व के सर्वाधिक सम्पन्न क्षेत्र है।
प्राणियों मे हाथी चीता शेर हिरण जंगली सूअर घोड़ा मेढक छिपकली गिलहरी शाप बिच्छु सेण्टीपोड्स मगरमच्छ घड़ियाल विषैली मक्खियाँ आदि प्रमुख है।

मानव → प्रतिकूल जलवायु दशाओं तथा सघन वनो का कारण इस जीवोम मे मानवीय गतिविधियाँ सीमित क्षेत्रो मे ही पायी जाती है। वहाँ जनसंख्या घनत्व भी ऊँचा है।

मध्य अक्षांशीय परिधीय वन जीवोम

(1) स्थीति एवं विस्तार — यह प्रदेश ३०° से ~~६०~~ ४५° अक्षांशों के मध्य महाद्वीपो के पूर्वी भागो मे स्थित है। इसके अन्तर्गत पूर्वी चीन जापान यूरोप पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका आस्ट्रेलिया का दक्षिणी पूर्वी तटीय भाग आदि सम्मीलित है।

जलवायु → शीत शीतोष्ण तथा गर्म शीतोष्ण जलवायु पायी जाती है।
ग्रीष्म ऋतु मे पर्याप्त गर्मी जबकि शीत ऋतु मे कड़ाके की सर्दी पड़ती है।
जिसका औसत ५८ से १०० से०मी० है।

वनस्पाती → यहाँ चौड़ी पती वाले पर्णपाती तथा मिश्रित वन पाये जाते है।

प्राणी → इस जीवोम मे विषुवत रेखीय प्रदेशो की तुलना मे प्राणी विविधता कम है। सूअर हिरण तेंदुआ साँप सेलामेण्डर वृक्ष मेढक गिलहरी आदि यहाँ पाये जाने वाले प्रमुख जन्तु है।

मानव → इस प्रदेश मे बड़े पैमाने पर वनो की कटाई करके कृषि भूमि का विस्तार किया गया है।

3. शीतोष्ण कोणधारी वन या बोरियल जीवोम →

स्थिति → इसे टैगा साइबेरिया तुल्य या कोणधारी वन जीवोम भी कहते है। इसकी स्थिति मुख्यतः उत्तरी गोलार्द्ध मे 45° से 65° अक्षांशो के मध्य है। इसके अर्न्तगत रूस स्कैण्डिनेविया कनाडा अलास्का तथा उत्तरी पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग सम्मिलित है। यह प्रदेश 14% स्थलीय भाग घेरता है।

जलवायु → उच्च अक्षांशो मे स्थिति के कारण जलवायु अत्याधिक कठोर है। ग्रीष्म ऋतु बहुत छोटी एवं ठण्डी होती है। वार्षिक तापान्तर बहुत अधिक है। वर्षा 50 से०मी० के मध्य तथा ग्रीष्म ऋतु मे होती है। शीतकाल मे कड़ाके की ठण्ड व हिमपात होता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया